DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

12 February, 2024

भारत में प्रत्यक्ष कर संग्रह

***संदर्भ**: रविवार को जारी वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 10 फरवरी तक वार्षिक तौर पर 20.25% बढ़ गया, जो जनवरी में 19.4% था।*

➢ **प्रत्यक्ष कर संग्रह:**

- सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 18.38 लाख करोड़ रु. हुआ, जो 10 फरवरी, 2024 तक 17.30% की प्रतिवर्ष वृद्धि दर्शाता है।
- शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, रिफंड के अतिरिक्त, प्रतिवर्ष 20.25% की वृद्धि के साथ 15.60 लाख करोड़ रु. का था।

➢ **कर श्रेणियों का विश्लेषण:**

- शुद्ध कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) वृद्धि प्रतिवर्ष 13.57% दर्ज की गई है।
- शुद्ध व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) प्रतिवर्ष 26.91% की पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है।

➢ **रिफंड और निर्गम:**

- 1 अप्रैल 2023 से 10 फरवरी 2024 के बीच कुल 2.77 लाख करोड़ रु.का रिफंड जारी किया गया है।

➢ **विकास के रुझान:**

- कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) ने 9.16% की वृद्धि दर दर्ज की है।
- व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) रिफंड समायोजन से पहले 25.67% (केवल पीआईटी) या 25.93% (एसटीटी सहित पीआईटी) की वृद्धि दर दर्ज की है।

➢ **मंत्रालय का वक्तव्य:**

- वित्त मंत्रालय ने अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह में स्थिर वृद्धि दर्ज की है, जिसका सकल संग्रह 18.38 लाख करोड़ रु. का है, यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.30% की वृद्धि दर्शाता है।

➢ **आगे के अनुमान:**

- वर्तमान वित्त मंत्री को अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष के लिए संशोधित अनुमान एडवांस टैक्स सहित 19.5 लाख करोड़ रु. प्राप्त करने का है।

➢ **प्रत्यक्ष कर:**

- **प्रत्यक्ष कर की परिभाषा:**
  - प्रत्यक्ष कर से तात्पर्य किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा, उस कर को लगाने वाले शासी प्राधिकारी को; सीधे भुगतान किए जाने वाले कर से है। प्रत्यक्ष कर में कराधान की घटना और प्रभाव एक ही इकाई पर पड़ता है।
  - प्रत्यक्ष करों के उदाहरणों में आयकर, वास्तविक संपत्ति कर, व्यक्तिगत संपत्ति कर और संपत्ति कर आदि शामिल हैं।
- **प्रत्यक्ष कर का महत्व:**
  - **कर का न्यायसंगत आवंटन:** आयकर और धन कर जैसे प्रत्यक्ष कर, भुगतान करने की क्षमता के सिद्धांत पर आधारित होते हैं, जो कर के आवंटन में निष्पक्षता सुनिश्चित करते हैं।
  - **प्रगतिशील कराधान:** प्रत्यक्ष कराधान आम तौर पर प्रगतिशील होता है, जो कर प्रणाली में उन्नयन और प्रगतिशीलता की अनुमति देकर आय और धन की असमानताओं को दूर करने का प्रयास करता है।
  - **राजस्व लचीलापन:** प्रत्यक्ष कर लोचदार और उत्पादक होते हैं, इस अनुसार राजस्व राष्ट्रीय आय या धन में परिवर्तन के अनुरूप बढ़ता या घटता है।
  - **स्पष्टता और पूर्वानुमेयता:** प्रत्यक्ष कराधान निश्चितता के सिद्धांत का प्रतीक है, जो करदाताओं को उनके कर दायित्वों का स्पष्ट ज्ञान प्रदान करता है, जिससे राज्य द्वारा सटीक राजस्व अनुमान लगाया जा सकता है।
  - **आर्थिक दक्षता:** आयकर जैसे प्रत्यक्ष कर वार्षिक रूप से एकत्रित किए जाते हैं, जिससे कम अंतराल पर एकत्र किए गए करों की तुलना में प्रशासनिक लागत कम हो जाती है। इसके अतिरिक्त, स्रोत पर प्रत्यक्ष कर एकत्र करने से कर चोरी की संभावना कम हो जाती है।

  - **नागरिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहन:** प्रत्यक्ष कर करदाताओं के बीच नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हैं, क्योंकि कराधान का प्रत्यक्ष दबाव सरकारी खर्च और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
  - **मुद्रास्फीति विरोधी उपाय:** प्रत्यक्ष कराधान का उपयोग; बढ़ी हुई कर दरों के माध्यम से मुद्रास्फीति के दौरान अत्यधिक क्रय शक्ति को कम करके मुद्रास्फीति विरोधी राजकोषीय नीति के रूप में किया जा सकता है।

संविधान (जम्मू-कश्मीर) अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) विधेयक, 2024

***संदर्भ:** संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 संसद द्वारा पारित कर दिया गया।*

➢ **संसदीय अनुमोदन:**

- संसद ने जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में आदिवासी समुदायों से संबंधित तीन विधेयक पारित किए।
- इन विधेयकों का उद्देश्य आदिवासी समुदायों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करना है।

➢ **अनुसूचित जनजाति सूची में समावेशन:**

- इस विधेयक के माध्यम से विशेष रूप से 7 कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित 50 से अधिक समुदायों को जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश और ओडिशा की अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल करने के प्रयास हैं।

➢ **संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) विधेयक, 2024:**

- संसद द्वारा इसे जम्मू-कश्मीर की अनुसूचित जनजाति सूची में 'पहाड़ी जातीय समूह, पद्दारी जनजाति, कोली और गड्डा ब्राह्मण' समुदायों को शामिल करने के लिए पारित किया गया है।
- यह विधेयक संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1989 में संशोधन करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

12 February, 2024

संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2024:

- यह विधेयक आंध्र प्रदेश के लिए एसटी सूची को संशोधित करने के लिए संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 में संशोधन करता है।
- इस विधेयक ने आंध्र प्रदेश की एसटी सूची में 'बोंडो पोरजा' और 'खोंड पोरजा' को पीवीटीजी और 'कोंडा सवारस' के रूप में शामिल किया गया है।

प्रभाव और लाभ:

- एक बार अधिनियमित होने के बाद, नए सूचीबद्ध समुदायों के सदस्य मौजूदा सरकारी योजनाओं के तहत एसटी के लिए लाभ ले सकते हैं।
- इन योजनाओं में छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता, रियायती ऋण, छात्रावास सुविधाएं और सेवाओं और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण आदि सहायता शामिल हैं।

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह:

- पीवीटीजी वैसे जनजातीय समुदाय हैं, जो जीविका के लिए शिकार पर निर्भर होते हैं तथा कृषि-पूर्व तकनीकी प्रथाओं, शून्य या नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि और बेहद कम साक्षरता दर जैसी विशेषता रखते हैं।
- एक विशिष्ट श्रेणी के रूप में पीवीटीजी की पहचान वर्ष 1975 में ढेबर आयोग की सिफारिशों के आधार पर आरम्भ हुई थी।
- प्रारंभ में, 52 कमजोर जनजातीय समूहों की पहचान की गई थी, उसके बाद वर्ष 1993 में एक सूची का विस्तार किया गया जिसमें अतिरिक्त 23 समूहों को शामिल कर कुल 75 पीवीटीजी की पहचान की गई थी।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, इस समय पीवीटीजी आबादी भारत के 17 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में पायी जाती हैं।
- सभी राज्यों में ओडिशा में पीवीटीजी की संख्या सबसे अधिक है।

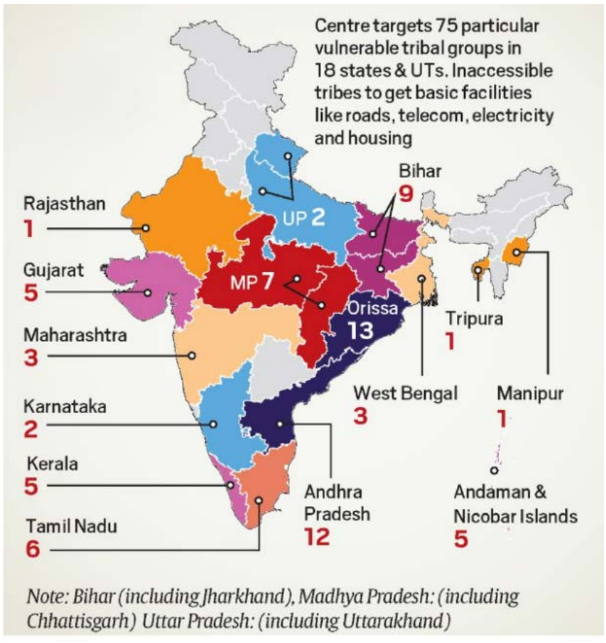

Note: Bihar (including Jharkhand), Madhya Pradesh: (including Chhattisgarh) Uttar Pradesh: (including Uttarakhand)

पीवीटीजी दर्जा दिए जाने की शर्तें:

- प्रौद्योगिकी का पूर्व-कृषि स्तर।
- साक्षरता का निम्न स्तर।
- आर्थिक पिछड़ापन।
- घटती या स्थिर जनसंख्या।

पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि)

संदर्भ: *पीएम स्वनिधि योजना पर किये गए एक हालिया अध्ययन के अनुसार अब तक शुरुआती ₹10,000 के ऋण से प्रति लाभार्थी ₹23,460 की अतिरिक्त वार्षिक आय हुई है।*

इस संबंध में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट का उपयोग; मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए आंतरिक रूप से किया जाएगा और इसे सार्वजनिक किए जाने की संभावना नहीं है।

रिपोर्ट के निष्कर्ष:

- पीएम-स्वनिधि पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार इस योजना के तहत 60.65 लाख पहली अवधि के ऋण, 16.95 लाख दूसरी अवधि के ऋण और 2.43 लाख तीसरी अवधि के ऋण वितरित किए गए हैं।
- आईएसबी अध्ययन में 22 राज्यों के 100 शहरी स्थानीय निकायों में 5,141 विक्रेताओं का सर्वेक्षण किया गया।
- सर्वेक्षण में शामिल 95% लाभार्थियों ने पीएम-स्वनिधि ऋण को अपना पहला बैंक ऋण माना, जबकि 72% ने इसे अपना पहला व्यावसायिक ऋण माना है।
- प्राथमिक रूप से ऋण लेने वालों में से 94% ने इसका उपयोग व्यावसायिक निवेश के लिए किया, जबकि दूसरे ऋण के लिए यह आंकड़ा 98% था।
- पहले ऋण से प्रति माह ₹1,955 की अतिरिक्त आय हुई, जो एक वर्ष की अवधि में कुल ₹23,460 दर्ज की गई।
- वितरित किए गए सभी ऋणों में से 13.9% को गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया था। हालांकि, महामारी के दौरान एनपीए सबसे अधिक था लेकिन समय के साथ इसमें गिरावट आई।
- लाभार्थियों का ऋण-से-आय (डीटीआई) अनुपात (9%) छोटे व्यवसायों के लिए अपेक्षा से कम था, जो उनकी उच्च साख (क्रेडिट) को दर्शाता है।
- पीएम स्वनिधि योजना के बावजूद, स्ट्रीट वेंडरों को अन्य स्रोतों से औपचारिक ऋण प्राप्त करने में कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं हुआ, इस संबंध में केवल 9% के पास अन्य वित्तीय संस्थानों से प्राप्त ऋण था।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

NEWS IN BETWEEN THE LINES

स्वाति पोर्टल

हाल ही में, भारत की विज्ञान अकादमियों के प्रतिनिधित्व वाले एक पैनल ने नई दिल्ली में "स्वाति" पोर्टल लॉन्च किया।

स्वाति पोर्टल के बारे में:

- "स्वाति" (विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए महिलाएँ) एक संपूर्ण इंटरैक्टिव डेटाबेस पोर्टल है जो भारत में एसटीईएमएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित और चिकित्सा) क्षेत्र में महिलाओं और लड़कियों का प्रतिनिधित्व करता है।
- इसे राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (एनआईपीजीआर), नई दिल्ली द्वारा विकसित, होस्ट और बनाए रखा जाता है।
- यह भारत में अपनी तरह का पहला पोर्टल है और इसका उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित एवं चिकित्सा (एसटीईएमएम) में लैंगिक असमानता को दूर करना है।
- इसका उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में काम करने के लिए भारत और विदेश से युवा महिला वैज्ञानिकों, फैकल्टी सदस्यों, शोधकर्ताओं तथा स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करना और एक साथ लाना है।

श्वेत पत्र

हाल ही में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने लोकसभा में भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक "श्वेत पत्र" प्रस्तुत किया।

श्वेत पत्र के बारे में:

- श्वेत पत्र भविष्य की नीति के लिए एक खाका होता है जो किसी विशिष्ट मुद्दे पर सूचना, विश्लेषण और प्रस्ताव प्रदान करता है।
- यह आर्थिक संकेतकों और सुधारों और विभिन्न क्षेत्रों पर उनके प्रभावों का विस्तृत मूल्यांकन भी हो सकता है।
- सरकार लोगों को किसी समस्या की प्रकृति और उसे हल करने के संभावित तरीकों से अवगत कराने के लिए श्वेत पत्र प्रस्तुत कर सकती है। उदाहरण के लिए, सरकार काला धन पर श्वेत पत्र प्रस्तुत कर सकती है।

ब्रूमेशन

ब्रूमेशन के बारे में:

- ब्रूमेशन हाइबरनेशन के समान एक अवस्था है लेकिन केवल ठंडे खून वाले जानवरों जैसे सरीसृपों द्वारा ही इसका अभ्यास किया जाता है।
- सरीसृप ऊर्जा संरक्षण के लिए ब्रूमेशन में प्रवेश करते हैं और ठंडे महीनों के दौरान ठंडे तापमान और भोजन की कमी जैसी प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों से बचे रहते हैं।
- सरीसृप भूमिगत बिलों, चट्टानों की दरारों या अन्य आश्रय वाले क्षेत्रों में चले जाते हैं जहाँ ब्रूमेशन के दौरान तापमान अपेक्षाकृत स्थिर रहता है।
- ब्रूमेशन के कुछ उदाहरण हैं: कछुए तालाबों या झीलों के तल पर कीचड़ में दब जाते हैं, सांप भूमिगत बिलों में शरण लेते हैं, छिपकलियां चट्टानों के नीचे या वनस्पति के भीतर छिप जाती हैं।

सुर्खियों में व्यक्तित्व

उषा किरण खान

उषा किरण खान (24 अक्टूबर 1945-11 फरवरी 2024)

भारतीय लेखिका उषा किरण खान का जन्म बिहार के दरभंगा जिले के लहेरिया सराय में हुआ था।

योगदान:

- उषा किरण खान का साहित्यिक संसार बहुत विविध है जिसमें बाल साहित्य, उपन्यास और कहानी संग्रह शामिल हैं।
- डूबधान, गिली पंक, कसावन, जलधर, जनम अवधी, चिड़िया चुग गई खेत और शेरशाह सूरी उनकी कुछ उल्लेखनीय साहित्यिक कृतियाँ हैं।

पुरस्कार और सम्मान:

- उषा किरण खान ने मैथिली उपन्यास भामती: एक अविस्मरणीय प्रेमकथा के लिए 2011 में साहित्य अकादमी और भारत भारती पुरस्कार जीता।
- उन्हें 2012 में उनके उपन्यास सिरजनहार के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा कुसुमांजलि साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया था।
- साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी सेवा के लिए उन्हें 2015 में पद्म श्री (देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से सम्मानित किया गया था।

नैतिक मूल्य: ईमानदारी, भावुक, साहसी, आदि।

सुर्खियों में स्थल

इथियोपिया

इथियोपिया (राजधानी: अदीस अबाबा)

अवस्थिति : इथियोपिया, जिसे आधिकारिक तौर पर इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता है, अफ्रीका के हॉर्न में स्थित एक भूमि से घिरा देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: इथियोपिया की सीमा सोमालिया (पूर्व और दक्षिणपूर्व), दक्षिण सूडान (पश्चिम), इरिट्रिया (उत्तर), जिबूती (उत्तरपूर्व), सूडान (उत्तरपश्चिम) और केन्या (दक्षिण) से लगती है।

भौतिक विशेषताऐं:

- माउंट एन्टोटो, एन्टोटो पर्वत की सबसे ऊंची चोटी है, जो इथियोपिया के अदीस अबाबा में स्थित है।
- टाना झील इथियोपिया की सबसे बड़ी झील है और ब्लू नील नदी का उद्गम स्रोत है।
- ब्लू नील, टेकेज़ और अवाश इथियोपिया की प्रमुख नदियाँ हैं।
- इथियोपियाई हाइलैंड्स अफ्रीका की सबसे बड़ी सतत पर्वत श्रृंखलाएं हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस देश ने सुपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल जिरकॉन लॉन्च की? **- रूस**
- हाल ही में खबरों में रही स्टीनरनेमा एडमसी किस प्रजाति से संबंधित है? **- नेमाटोड**
- हाल ही में लक्ष्मीनारायण अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया? **- प्यारेलाल शर्मा**
- विश्व बैंक की 'लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रिपोर्ट (2023)' में भारत की रैंक क्या है? **- 38वाँ**
- 'विश्व दलहन दिवस' प्रतिवर्ष किस तिथि को मनाया जाता है? **- 10 फरवरी**